Tara

ज्योतिर्मय जीवन

मूल्य - 5 रुपये

ज्योतिपर्व दीपावली 2012

हार्दिक मंगलकामनाएँ

'तारा नेत्रालय' दिल्ली का उद्घाटन करते हुए श्री एन.पी. भार्गव, श्री रमेश सचदेवा साथ में श्री मनोहर लाल छाबड़ा, श्री बजरंग बंसल, श्री नवल किशोर गुप्ता, श्री विजय आनन्द व अन्य अतिथिगण

आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

मुख्य संरक्षक तारा संस्थान -

श्री एन.पी. भार्गव
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक
नवम्बर, 2012
वर्ष 1, अंक 4, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा दिल्ली एवं निकटवर्ती शहरों में निःशुल्क मोतियाबिन्द जॉच एवं ऑपरेशन हेतु प्रस्तावित चयन शिविर

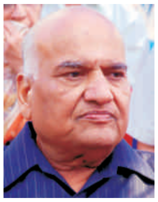

श्री सत्यभूषण जी जैन के पिताजी श्री रामनारायण जी जैन दिल्ली व हरियाणा में आज से 40 वर्ष पूर्व भी नेत्र शिविर कराते रहे थे। श्री सत्यभूषण जी जैन सा. द्वारा अपनी माता श्रीमती कृष्णा देवी जैन व पिता श्री रामनारायण जी जैन के स्मृति में 12 शिविर दिल्ली में कराने का निर्णय किया पहला शिविर दिल्ली केन्ट में 28 अक्टूबर को आयोजित हुआ और प्रतिमाह एक शिविर श्री सत्यभूषण जी के सौजन्य से होगा।

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	उपलक्ष्य	शिविर का प्रस्तावित स्थान
19.11.2012	श्री सत्यभूषण जी जैन, दिल्ली	श्री सत्यभूषण जी जैन के सौजन्य से आयोजित होने वाले 12 शिविरों की कड़ी में दूसरा शिविर।	बड़ौदा (हरियाणा)
25.11.2012	श्रीमती मनोरमा जी धवल, दिल्ली	–	दिल्ली
29.11.2012	श्री प्रभु जी चन्द्रन, दिल्ली	श्री प्रभू जी चन्द्रन ने देश विभाजन के दंगों में बहुत छोटी उम्र में माता पिता को खो दिया था। वे अपनी स्वर्गीय माताजी की स्मृति में शिविर करवा रहे हैं।	दिल्ली
02.12.2012	श्री डी.डी. गोयल	फरीदाबाद निवासी श्री डी.डी. गोयल सा. अपने पिताजी की पुण्य तिथि के अवसर पर।	फरीदाबाद वैशाली
09.12.2012	श्री सत्यभूषण जी जैन, दिल्ली	श्री सत्यभूषण जी जैन के सौजन्य से आयोजित होने वाले 12 शिविरों की कड़ी में तीसरा शिविर।	दिल्ली
19.12.2012	श्री नरेश जी जैन, गुडगाँव	श्री नरेश जी जैन गुड़गाँव में IBM में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और इनकी पत्नी श्रीमती सविता एयरलाइंस में एकाउण्टेंट हैं इन्होंने इकलौती बेटी रमिया का तीसरा जन्मदिवस एक शिविर का सौजन्य कर मनाने का निर्णय किया।	मालवीय नगर
26.12.2012	श्री हरिप्रसाद जी सक्सेना, नोएडा	श्री हरिप्रसाद जी व श्रीमती विमला जी के बच्चे इनकी शादी की 25 वीं वर्षगांठ एक होटल में पार्टी देकर करना चाहते थे। लेकिन इन्होंने पार्टी को रोककर दिल्ली में एक नेत्र जाँच शिविर लगवाने का निर्णय किया।	नोएडा
21.01.2013	श्री रमेश जी एवं श्रीमती शमा जी	श्री रमेश जी एवं श्रीमती शमा जी सचदेवा अपनी प्यारी सी नन्हीं नातिन बेबी कृषिका के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में यह शिविर आयोजित करवा रहे हैं।	दिल्ली
29.01.2013	श्रीमती शमा जी सचदेवा, दिल्ली	श्रीमती शमा जी सचदेवा द्वारा श्री रमेश जी सचदेवा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में।	दिल्ली
11.02.2013	अरोड़ा परिवार, दिल्ली	स्व. ओ.पी. अरोड़ा की प्रथम पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में समस्त अरोड़ा परिवार द्वारा	आर्य समाज मन्दिर, सरिता विहार, नई दिल्ली

नेत्र शिविर सौजन्य राशि :-
11000/- रु. दिल्ली या उदयपुर के तारा नेत्रालय में शिविर
21000/- रु. उदयपुर के पास आदिवासी क्षेत्र में शिविर
31000/- रु. नयी व पुरानी दिल्ली क्षेत्र में शिविर
51000/- रु. दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में शिविर

भारत के किसी भी अन्य शहर में शिविर सौजन्य राशि – 1,00,000 रु. (इस राशि में 21 ऑपरेशन का सहयोग भी शामिल है)

तारा नेत्रालय (उदयपुर)
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993

तारा नेत्रालय (दिल्ली)
WZ - 270, गाँव - नवादा, 720 - मैट्रो पिलर के सामने,
उत्तम नगर, दिल्ली - 59
मो. +91 9560626661

तारांशु - वर्ष 1, अंक - 4, नवम्बर, 2012

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रस्तावित शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
सम्पादकीय	04
नहीं रहीं शैलजा जी	05
तारा नेत्रालय दिल्ली का उद्घाटन	06-07
आनन्द वृद्धाश्रम के कुछ बुजुर्ग आवासी	08-09
गौरी सेवा	10
मोतियाबिन्द जाँच शिविर	11-12
तृप्ति सेवा	13
सेवा का अभिनव प्रयोग	14
अस्मिता	15
Tara Contacts	16
Our Donors	17-18
Glimpses of Inaugural Ceremony	19

प्रभु - सेवा संकल्प 'तारा संस्थान' को मेरा आशीर्वाद....

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ, वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर 'तारा संस्थान' के सभी सेवा - प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ......

डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

तारांशु मासिक, नवम्बर, 2012

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यूट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

सम्पादकीय

सेवा पथ पर बढ़ता एक और कदम - तारा नेत्रालय

हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश आदि स्थानों पर आयोजित शिविरों में चयन किये गये रोगियों को ऑपरेशन के लिए 'तारा नेत्रालय' में उदयपुर लाना असुविधाजनक और परिवहन सुविधा की दृष्टि से व्यय साध्य था, तो विकल्प में शिविर स्थल के निकट ही किसी अन्य नेत्रालय में भी ऑपरेशन के लिए शुल्क देना पड़ रहा था। सीमित आर्थिक संसाधनों की पृष्ठभूमि में इस व्यवस्था में परिवर्तन करने की आवश्यकता महसूस की गई, और दिल्ली में भी नेत्र चिकित्सालय प्रारंभ करने का निर्णय किया। परिणाम है – 'तारा नेत्रालय' का 24 अक्टूबर, 2012 से नवादा (दिल्ली) में शुभारंभ। 'तारा नेत्रालय' मोतियाबिन्द ऑपरेशन व नेत्र चिकित्सा में आवश्यक सभी सुविधाओं, मशीनों, उपकरणों से सुसज्जित है, जहाँ कुशल नेत्र चिकित्सकों (Eye Surgeons) की सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

सेवा-प्रकल्पों के सफल और प्रभावी संचालन के लिए 'तारा संस्थान' जन सहयोग पर निर्भर है। हमें विश्वास है, कि आप अपना योगदान करेंगे......... हमें आपके सहयोग – सम्बल की प्रतीक्षा रहेगी.........

दीपावली की शुभकामनाओं सहित......

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

शैलजा जी, अब हमारे बीच नहीं है.....

तारांशु के पिछले अंक में पुणे की शैलजा जी राव के बारे में आपसे बात की थी वे जिस स्थिति में हमारे पास आई थी उसे देखकर इस बात की संभावना बहुत ही कम लग रही थी कि उनका जीवन बच पाए........ मन में एक विचार हर वक्त था कि ईश्वर बचाना चाहता है इसीलिए हमारे पास भेजा है।

जब वे हमारे पास आई तो निश्चित तौर पर खाना, दवाई और देखभाल की जरूरत थी लेकिन जिस बात की सबसे ज्यादा जरूरत लगी वो थी प्यार की, अपनेपन की, सम्मान की........

जब अस्पताल में मिले तब उन्होंने रोते हुए यही बोला था कि ''मुझे माँ चाहिये'' .... ये ही एक वाक्य बताने के लिए काफी है कि उनकी मूल आवश्यकता क्या थी........

तारा संस्थान में जब वृद्धजनों हेतु काम करना प्रारम्भ किया तो जीवन का वह पहलु सामने आया जो डराता है कि उम्र का ज्यादा होना वरदान है या अभिशाप।

जो माता पिता अपने बच्चों की बीमारी पर पूरी पूरी रात कई कई दिनों तक जगे हों वे ही बुढ़ापे में बेकार की वस्तु बन गए, ऐसे कई उदाहरण देखे जहाँ माता पिता जिन्हें आँखों से दिखाई न दे तो मोतियाबिन्द जैसे छोटे से ऑपरेशन कराने के लिए कई बच्चों के पास पैसे या वक्त नहीं था, भले ही माता पिता की रोशनी चली जाए।

आनन्द वृद्धाश्रम में एक वाकया तो ऐसा आया कि बीमार पिता ने पुत्रों से बात करनी चाही तो दोनों पुत्रों ने फोन स्विच ऑफ कर दिए और जब पिता की मृत्यु हुई तो शव का दाह संस्कार पूरी रीति रिवाज से किया और अपने बाल भी दिए........ पुत्रों के लिए जीवित पिता महत्त्वपूर्ण थे या महत्त्व उस प्राणहीन शरीर का था जिसके सम्मान में सिर के बाल दिए गए........ यह प्रश्न हमेशा उत्तर चाहेगा।

बात शैलजा जी से प्रारम्भ की थी....... मैं बहुत ही दु:ख के साथ यह बताना चाहूँगा कि लगभग 20 दिन अस्पताल में बिताने और उम्मीद-नाउम्मीद के बीच वे हमें छोड़कर चली गईं और हम सभी संस्थान के कार्यकर्त्ता अपने दिल को केवल यही सांत्वना दे पाए कि चलो आखिरी 20 दिन तो उन्होंने सुकुन भरे बिताए........ जिसमें उनके कटे पैर में दर्द भी नहीं था....... सड़न और दुर्गन्ध भी खत्म हो गई...... और जो कुछ भी उन्होंने खाया उनकी संतुष्टि उन्हें अवश्य मिली होगी........ और सबसे महत्त्वपूर्ण उनकी अंतिम सांसों तक यह एहसास उनके साथ था कि उनके लिए भी कोई है...

– दीपेश मित्तल
मुख्य कार्यकारी

तारा नेत्रालय, दिल्ली का उद्घाटन सम्पन्न

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित 'तारा नेत्रालय' का नवादा, दिल्ली में 24 अक्टूबर, 2012 को आयोजित समारोह में उद्घाटन सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एवम् उद्योगपति श्री एन.पी. भार्गव - श्रीमती पुष्पा भार्गव (दिल्ली) तथा समारोह कार्यक्रम के अध्यक्ष एवम् उद्योगपति श्री रमेश सचदेवा - श्रीमती शमा सचदेवा ने अपने संयुक्त कर कमलों से फीता खोलकर 'तारा नेत्रालय' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह के प्रारंभ में 'तारा संस्थान' की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 'तारा' द्वारा उदयपुर में स्थापित 'तारा नेत्रालय' द्वारा मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों की सफल चिकित्सा से उत्साहित होकर हमने दिल्ली व निकटवर्ती क्षेत्रों के असहाय नेत्र रोगियों के निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध करवाने का निर्णय किया था।

अपने उद्घाटन उद्बोधन में उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री नगेन्द्र प्रसाद भार्गव ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि 'तारा संस्थान' ने दिल्ली में भी 'तारा नेत्रालय' का शुभारंभ करके पीड़ित मानवता की सेवा के क्षेत्र में अनूठी और सामयिक पहल की है। सेवा-संकल्पों की सफलता में कभी कोई सन्देह नहीं है।

समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री रमेश सचदेवा (दिल्ली) ने 'तारा संस्थान' के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' और आनन्द वृद्धाश्रम अवलोकन के अपने संस्मरणों का उल्लेख किया। समारोह में श्रीमती पुष्पा भार्गव और श्रीमती शमा सचदेवा ने भी अपने विचार रखे और अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

'तारा संस्थान' के परामर्शी श्री डी.आर. श्रीमाली ने 'तारा' के सेवा प्रकल्पों - नेत्र चिकित्सा, तारा नेत्रालय, गौरी योजना, तृप्ति सेवा व आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में अतिथियों को विस्तार से अवगत कराया। उद्घाटन समारोह में दिल्ली सहित देश के विभिन्न शहरों से पधारे हुए 200 से अधिक अतिथियों, सेवाधर्मियों व भामाशाहों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिन अतिथियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये उनमें प्रमुख थे - श्री सत्यभूषण जैन, श्री मनोहर लाल छाबड़ा, श्री नवल किशोर गुप्ता, श्री बजरंग बंसल, श्री एस.एन. शर्मा, श्री जगदीश अग्रवाल, श्रीमती प्रीति आहूजा, श्री विजयानन्द गुप्ता, श्री बावा, श्री पुरुषोत्तम गर्ग, श्री तारा चन्द गुप्ता, श्री आर.सी. गुप्ता, श्री राम कुमार गुप्ता, श्री अनिल कुमार, श्री सी.वी. चड्ढा, श्रीमती सुशीला पुरी, श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री प्रेम सुख, श्री नरेश कुमार गुप्ता, श्री एल.एन. अग्रवाल, श्री के.डी. भालिया, श्री प्रभु चन्द्रन, श्री यशपाल चावला, श्री हरवीर सिंह दहिया तथा शिरडी साई मण्डल के सदस्यगण आदि।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए 'तारा संस्थान' के मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल ने 'तारा' की स्थापना की पृष्ठभूमि और 'तारा नेत्रालय' दिल्ली के शुभारंभ पर प्रकाश डाला। श्री विजय सिंह चौहान निदेशक (प्रशासन एवं जनसम्पर्क), तारा संस्थान ने पधारे हुए सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद और कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोगी सभी महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'तारा नेत्रालय' दिल्ली उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

आर्य समाज मन्दिर के सदस्य अतिथि अपने नेत्रों की जाँच करवाते हुए

तारा नेत्रालय का अवलोकन – (दाएँ से) श्री विजय आनन्द गुप्ता, श्रीमती पुष्पा जी, श्रीमती शमा जी, श्री दीपेश जी, श्री एन.पी. भार्गव, श्री रमेश जी सचदेवा

श्री ओ. एस. बावा एवं श्रीमती प्रीति आहूजा

श्रीमती कल्पना गोयल एवं श्री दीपेश मित्तल द्वारा अतिथि सम्मान

श्री शिरडी साई सत्संग मण्डल के सदस्यगण, श्रीमती कल्पना गोयल के साथ

(दाएँ से) श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती कल्पना गोयल, श्रीमती गीतांजलि गुप्ता एवं श्रीमती अलका जैन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री विजय सिंह चौहान (निदेशक)

मंच पर विराजमान अतिथि (दाएँ से) श्रीमती पुष्पा जी, श्री एन.पी. भार्गव, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री रमेश जी सचदेवा, श्रीमती शमा जी सचदेवा, श्री बावा सा., श्री आर.सी. गुप्ता एवं सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए श्री डी.आर. श्रीमाली

आनन्द वृद्धाश्रम के कुछ बुजुर्ग आवासी

श्रीमती मेहताब कुंवर, श्री उदय सिंह, मानखण्ड (सनवाड़)

श्रीमती त्रिवेणी, श्री राधेश्याम, अमृतसर (पंजाब)

श्रीमती अंजलि लाहरी, श्री दिगेन्द्र नाथ लाहरी, कोलकाता

श्रीमती शान्ता देवी पोत्तदार, उदयपुर

श्रीमती गीता बाई विष्णु, प्रतापगढ़

श्री डी.के. दत्ता, दिल्ली

श्री हीरालाल सालवी, देवगढ़

श्री खेमराज गौड़, उदयपुर

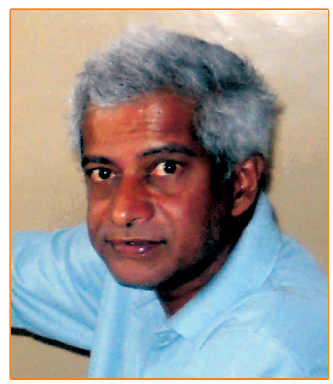

श्री प्रदीप वेरणीकर, मुम्बई

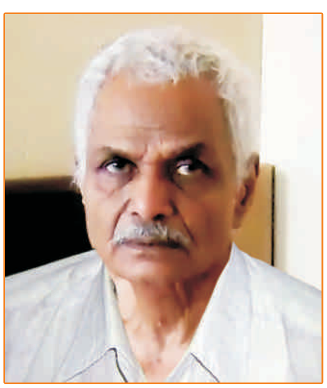

श्री सदाशिव चौरसिया, दिल्ली

श्रीमती शकुन्तला शर्मा, मुम्बई

श्री चिमन भाई मोदी, थाणा (मुम्बई)

श्रीमती प्रेम कौर, पीतमपुरा, दिल्ली

'आनन्द वृद्धाश्रम' के आवासी श्री शिवराम

इस बार आपका परिचय 'आनन्द वृद्धाश्रम' के आवासी श्री शिवराम से करवा रहे हैं। बयाना (भरतपुर) के मूल निवासी श्री शिवराम की आयु जब 5-6 वर्ष थी, तब चेचक रोग के कारण इनकी आँखें प्रभावित हुईं। जागरूकता और जानकारी के अभाव में उचित चिकित्सा नहीं करवा सके। परिणामत: कुछ ही समय में पूरी तरह दृष्टिहीन हो गये। दिखाई देना बिल्कुल बन्द हो गया। जब ये 10 वर्ष के थे, तब इनके पिता का निधन हो गया, और कुछ समय बाद माता का भी। इनके 4 भाई और 3 बहनें हैं। भाई अपने-अपने परिवारों के साथ अलग रहते हैं। माता-पिता की मृत्यु के बाद इनकी उचित देख-भाल करने वाला कोई नहीं रहा। ये अपनी बहनों के पास थोड़े - थोड़े दिन रह कर जीवन यापन करने लगे। बचपन में ही दृष्टि चली जाने के कारण न तो इनकी पढ़ाई-लिखाई हो सकी, और न ही विवाह। बहनों के सहारे भी कब तक रहते। हर दिन अपने भरण-पोषण और देख-भाल की चिन्ता से ग्रस्त रहने लगे। 'पारस' चैनल पर 'तारा' का प्रसारण देख कर किसी ने इन्हें 'आनन्द वृद्धाश्रम' के बारे में बताया। पूरी जानकारी के अभाव में भी ये जैसे - तैसे 'नारायण सेवा संस्थान' में आए। वहाँ से इन्हें 'तारा संस्थान' के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में पहुँचाया गया। भोजन-वस्त्र- चिकित्सा-देखभाल सहित सभी सुविधाओं की नि:शुल्क व्यवस्था से श्री शिवराम संतुष्ट हैं और आराम से 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास कर रहे हैं।

गरबा नृत्य को देखते साधक

आनन्द वृद्धाश्रम में करवा चौथ का आयोजन

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

गौरी सेवा

असहाय विधवा महिलाओं को 1000 रु. मासिक नकद सहायता

निर्धन और असहाय विधवा महिलाओं को आंशिक रूप से आर्थिक स्वावलम्बन मिल सके, इस उद्देश्य से गौरी योजना संचालित की जा रही है। 'तारा संस्थान' द्वारा गौरी योजना' में चयनित विधवा महिलाओं को सहायता के रूप में प्रतिमाह 1000 रु. उनके बैंक खातों में सीधे-जमा करवाए जा रहे हैं, ताकि विकट परिस्थितियों का सामना करने के लिए कुछ पैसा उनके हाथ में रहे। यह सहयोग राशि दानदाताओं द्वारा विधवा महिलाओं की सहायतार्थ 'तारा' को उपलब्ध - करवाई जा रही है। 'गौरी सेवा' योजना में आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही महिलाओं में से इस बार आपका परिचय पुष्पा देवी से करवा रहे हैं।

श्रीमती भगवान देवी झा, रायगढ़

श्रीमती लीला देवी, जोधपुर

श्रीमती रीतु राव, जोधपुर

श्रीमती गीता मेघवाल, उदयपुर

श्रीमती सावित्री चौहान, जांजगीर चांपा

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों तो, कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से - 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

मोतियाबिन्द जाँच शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह सितम्बर - अक्टूबर, 2012 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण - पंजीकरण व जाँच दृश्य

खरका शिविर

दिनांक : 23 सितम्बर, 2012 (रविवार) स्थान : कार्यालय ग्राम पंचायत, गाँव - खरका, पं.स. - सलुम्बर, जिला - उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सीता देवी जी W/o श्री दुर्गा राम जी, श्रीमती राजूदेवी जी W/o श्री सुकलाल जी, श्री जगदीश जी, श्री माधुराम जी, चि. सूरज जी, सुश्री रेखा जी, निवासी - चैन्नई, कुल ओ.पी.डी. - 117, ऑपरेशन के लिए चयनित - 13
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

नामरी शिविर

दिनांक : 27 सितम्बर, 2012 (गुरुवार) स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गाँव - नामरी, तहसील - मावली, जिला - उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री हेमन्त नटवर जी देसाई एवं समस्त देसाई परिवार निवासी - वलसाड़ (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. - 122, ऑपरेशन के लिए चयनित - 18
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

डूंगला शिविर

दिनांक : 30 सितम्बर, 2012 (रविवार) स्थान : राजकीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय, डूंगला (बस स्टैण्ड), जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : जिला अन्धता निवारण समिति, उदयपुर (राज.)
कुल ओ.पी.डी. - 281, ऑपरेशन के लिए चयनित - 35
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

ईण्टाली शिविर

दिनांक : 03 अक्टूबर, 2012 (बुधवार) स्थान : राजकीय आयुर्वेदिक हॉस्पीटल, बस स्टेण्ड, ईण्टाली, तहसील – मावली, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : जिला अन्धता निवारण समिति, उदयपुर (राज.)
कुल ओ.पी.डी. – 62, ऑपरेशन के लिए चयनित – 10
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

औरंगाबाद अहीर शिविर

दिनांक : 07 अक्टूबर, 2012 (रविवार) स्थान : बलवान सिंह जी का निवास स्थान, गाँव – औरंगाबाद अहीर, तहसील – बुलन्द शहर (यूपी)
सौजन्यकर्त्ता : श्री बलवान सिंह जी, निवासी – औरंगाबाद अहीर
कुल ओ.पी.डी. – 600, ऑपरेशन के लिए चयनित – 65
ऑपरेशन स्थल – लायन्स आई हॉस्पीटल, कवि नगर, गाजियाबाद (यूपी)

कपासन शिविर

दिनांक : 07 अक्टूबर, 2012 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, गाँव – ताणा, तहसील – कपासन, जिला – चित्तौड़गढ़ (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती मायादेवी – श्री रमेश चन्द्र मित्तल, श्री लोकेश अग्रवाल एवं समस्त परिवार, निवासी – सूरत (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. – 110, ऑपरेशन के लिए चयनित – 15
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

कासगंज शिविर

दिनांक : 07 अक्टूबर, 2012 (रविवार) स्थान :हरे रामा हरे कृष्णा मन्दिर, भोगपुर, जिला – कासगंज (उत्तर प्रदेश)
सौजन्यकर्त्ता : श्री प्रमोद कुमार राजपूत, ग्राम – भोगपुर, जिला – कासगंज (उत्तर प्रदेश)
कुल ओ.पी.डी. – 800, ऑपरेशन के लिए चयनित – 150
ऑपरेशन स्थल – लेसर साइट सेन्टर, 215, मानस नगर, शाहगंज, आगरा (उत्तर प्रदेश)

कीकावास शिविर

दिनांक : 10 अक्टूबर, 2012 (बुधवार) स्थान : चामुण्डा माता मन्दिर, गाँव – कीकावास, तहसील – वल्लभनगर, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : जिला अन्धता निवारण समिति, उदयपुर (राज.)
कुल ओ.पी.डी. – 90, ऑपरेशन के लिए चयनित – 12,
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

खरताणा शिविर

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2012 (बुधवार) स्थान : कार्यालय ग्राम पंचायत, गाँव – खरताणा, पं.स. – मावली, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : जिला अन्धता निवारण समिति, उदयपुर (राज.)
कुल ओ.पी.डी. – 90, ऑपरेशन के लिए चयनित – 10,
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

तृप्ति योजना में असहाय बन्धुओं को खाद्य - सामग्री सहायता

'तृप्ति योजना' में ऐसे असहाय वृद्ध महिला पुरुषों को खाद्य-सामग्री प्रतिमाह उनके घर तक पहुँचाई जा रही हैं, जो गरीबी और बुढ़ापे के कारण अपना दो - समय का भरपेट भोजन भी नहीं जुटा पा रहे हैं। दान-दाताओं के सौजन्य से 'तारा संस्थान' इन बुजुर्गों को भूख की पीड़ा से राहत देने का सेवा - कार्य कर रहा है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/– मूल्य की खाद्य–सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा – 10 कि.ग्रा., चावल – 2 कि.ग्रा., दालें – 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल – 1 कि.ग्रा., शक्कर – 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) – 500 ग्रा., नमक – 1 कि.ग्रा., साबून – 2,
नकद राशि – रु. 300 (शाक – सब्जी के लिए) खाद्य – सहायता व्यय – रु.1500 प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 250 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही हैं। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य–सामग्री सहयोग–सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

"नन्हें बच्चों ने भी बढ़ाये अपने कदम"

सेवा का एक अभिनव प्रयोग

असहाय पीड़ित मानवता की सेवा के अनेक प्रकल्प समय-समय पर देखने - सुनने को मिलते रहते हैं। ऐसा ही एक अनुकरणीय अभिनव सेवा-प्रयोग दिनांक 08 अक्टूबर, 2012 को डबरा (म.प्र.) में घटित हुआ। अपने शिक्षकों की प्रेरणा से कुछ समाजसेवी युवक रास जे.बी. स्कूल की स्थापना करके डबरा में इसका सफल संचालन कर रहे हैं। रास जे.बी. विद्यालय की प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री अमित के. शर्मा ने कुछ समय पूर्व 'आस्था भजन' चैनल पर 'तारा संस्थान' का कार्यक्रम 'एक आवाज' देखा, और तत्काल उनके मन में असहाय पीड़ितों की सेवा के लिए कुछ सार्थक प्रयास करते हुए अपने विद्यालय के बच्चों में सेवा भावना का बीज अंकुरित करने की प्रेरणा हुई। 08 अक्टूबर, 2012 को विद्यालय का दसवाँ स्थापना दिवस आसन्न था। अपने मित्रों और सहयोगियों के साथ परामर्श करके इस बार स्थापना दिवस को 'सहयोग दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया। विद्यालय के बच्चों से अनुरोध किया गया कि इस दिन वे 'एक मुट्ठी अनाज' या कुछ पैसे अपने अभिभावकों की रुचि के अनुसार लेकर आवें। इस प्रकार संग्रह की गई राशि व अनाज पीड़ित बन्धुओं की सेवा - सहायतार्थ समर्पित कर दिया जाएगा। श्री अमित के. शर्मा ने 'तारा संस्थान' को भी सूचित किया और इस अवसर पर उपस्थित रहने के लिए 'तारा' से किसी प्रतिनिधि को भेजने का अनुरोध किया। तदनुसार, 'तारा' से श्री विनय जैन, 08 अक्टूबर, 2012 को रास जे.बी. स्कूल के दसवें स्थापना दिवस को सहयोग दिवस के रूप में आयोजित किये जाने के कार्यक्रम पर उपस्थित रहे।

रास जे.बी. स्कूल के छात्रों द्वारा सहयोग स्वरूप प्रदान की गई 28500 रु. राशि के चैक और लगभग इतने ही मूल्य की खाद्य सामग्री स्कूल के प्रबन्धन ने तारा संस्थान को भेंट की। 'तारा संस्थान' इस सहायता राशि और सामग्री का सदुपयोग पीड़ित निर्धन बन्धुओं की सेवा - सहायता में करेगा।

रास जे.बी. स्कूल, डबरा, मैनेजमेन्ट कमेटी के सदस्य श्री अमित के. शर्मा की पहल पर प्रबन्ध - समिति के सभी सदस्यों, शिक्षकों और अभिभावकों ने अपने बच्चों में मानवीय भावना के संस्कार देने के लिए जो यह प्रयोगात्मक प्रयास किया है, 'तारा संस्थान' इसके लिए सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त करता है।

अस्मिता -

श्रीमद् भगवद्‌गीता के आलोक में... (गतांक से आगे - 3)

युद्धक्षेत्र में श्रीकृष्ण ने अर्जुन के रथ को दोनों पक्षों की सेनाओं के मध्य में, भीष्म - द्रोणाचार्य सहित कौरव-पक्ष के अन्य राजाओं के सामने खड़ा किया और कहा, - युद्ध के लिए आए हुए इन कौरवों को देख। अर्जुन ने अपने सामने स्थित दोनों ही सेनाओं में जिन्हें देखा, वे पिता के भाई, पितामह, आचार्य, मातुल, भ्राता, पुत्र, पौत्र, मित्र, श्वसुर और सुहृद आदि थे। इन सभी बन्धुओं (रिश्तेदारों), परिजनों को युद्ध के लिए आया हुआ देखकर अर्जुन का मन करुणा और शोक से भर गया। इस प्रसंग में अर्जुन ने जो जो बातें कही हैं, वे उसके व्यक्तित्व और अस्मिताबोध के कई अति महत्त्वपूर्ण आयाम प्रकट करती हैं। महाभारत (महायुद्ध) की भूमिका निर्धारण में इन बातों का विशिष्ट अर्थ है।

वह श्री कृष्ण से बाला - हे कृष्ण! अपने स्वजन - समुदाय को यहाँ युद्ध के लिए खड़ा देखकर मेरे अंग शिथिल हो रहे हैं, मुख सूख रहा है, शरीर काँप रहा है, गाण्डीव (धनुष) हाथ से गिर रहा है, त्वचा में जलन हो रही है, मन भ्रमित हो रहा है, मैं ठीक तरह खड़ा भी नहीं रह पा रहा। (गाण्डीवं स्रंसते हस्तात् त्वक्चैव परिदह्यते.....।)

अपनी मनः स्थिति को इन शब्दों में व्यक्त करता हुआ और लोक विश्वास के फलादेश का आश्रय लेते हुए अर्जुन आगे बोला - हे केशव! मैं लक्षण (निमित्त/शकुन) भी विपरीत ही देख रहा हूँ, और युद्ध में स्वजन के वध का कोई कल्याणकारी परिणाम भी नहीं देखता। इतना ही नहीं, अब वैराग्य - भाव की दलील देता हुआ तथा अपनी मानसिक स्थिति की असलीयत को उदात्त और उदार मानवीय गुणों की व्यंजक वाणी में लपेटता हुआ सा अर्जुन आगे बोलता है - हे कृष्ण! मुझे विजय की आकांक्षा नहीं है, मैं राज्य भी नहीं चाहता, सुख भी नहीं। हे गोविन्द! हमें राज्य से, भोगों से और जीवन से भी क्या प्रयोजन? क्योंकि, जिनके लिए हम राज्य, सुख और भोगों की कामना कर रहे हैं, वे तो सभी प्राणों और सुखों की आशा छोड़कर यहाँ युद्ध के लिए आ खड़े हुए हैं। हे मधुसूदन! मुझे त्रैलोक्य का राज्य भी मिल रहा हो, तब भी मैं अपने इस सगे-सम्बन्धियों को नहीं मारना चाहता, पृथ्वी के राज्य की तो बात ही क्या? चाहे ये सभी मुझे क्यों न मार डालें।

इसलिए मैं अपने स्वजनों (घृतराष्ट्र पुत्रों) को नहीं मार सकता। स्वजनों को मार देने पर कौनसा सुख, कैसा सुख। ये लोग तो लोभ के कारण भ्रष्ट बुद्धि होकर स्वजन वध का पाप और कुल की क्षति नहीं देख रहे हैं, लेकिन मैं तो इसमें विनाश और नरक-गति ही देख रहा हूँ। (तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान्।)

कुल का क्षय तो वर्णसंकर सन्तति पैदा करेगा और वर्णसंकर सन्तान से कुलधर्म नष्ट होंगे, नरक में वास मिलेगा। (संकरो नरकायैव....) धर्म और नैतिकता की दुहाई देता हुआ अर्जुन आगे कहता है - अहो! खेद है कि बुद्धिमान होकर भी हम लोगों ने राज्य - सुख के लिए अपने ही लोगों को मारने की तैयारी कर ली, कितना बड़ा पाप करने को तैयार हो गए। अब तो ये शस्त्रधारी घृतराष्ट्र पुत्र दुर्योधन पक्ष के योद्धा शस्त्र रहित और न सामना करने वाले मुझे ये रण में मार भी डालें तो भी कोई बात नहीं, ऐसा कहते हुए शोक से उद्विग्न मन वाला अर्जुन धनुष - बाण त्याग कर रथ के पिछले भाग में बैठ गया। (....0रथोपस्थ उपाविशत्। विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः।।) इस पृष्ठभूमि और विवरण के साथ गीता का प्रथम अध्याय समाप्त होता है, इसे अर्जुन विषाद योग नाम से जाना जाता है।

अर्जुन ने युद्ध नहीं करने की बात कह कर अवश्य ही श्री कृष्ण को धर्म संकट में डाल दिया होगा। अपनी बात के समर्थन में अर्जुन ने धर्म, नैतिकता, कर्त्तव्य, उदारता, मानवीय सम्बन्ध आदि की जो दलीलें दीं, उनसे संभव है श्री कृष्ण विस्मित, उद्वेलित और विचलित भी हुए हों। यह कैसी उपहासास्पद स्थिति है कि युद्ध के लिए इतनी तैयारी के बाद अब अर्जुन को युद्ध के मैदान में यह ज्ञान हुआ, जिसकी वह दुहाई देने की कोशिश कर रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि दुर्योधन की विशाल सेना देखकर अर्जुन डर गया हो? भीरु व्यक्ति इन परिस्थितियों में प्रायः ऐसी ही बातें करता है, ऐसा ही आचरण करता है। इस स्थिति को संभालना श्रीकृष्ण के लिए अवश्य ही चुनौतीपूर्ण रहा रहेगा। (क्रमशः)

- डी. आर. श्रीमाली

Tara Netralaya, Delhi gets Registration Certificate

DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES
GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
F-17, KARKARDOOMA, SHAHDARA, DELHI - 110032

Reg. No./DHS/NH/ 1103 Dated : 26/10/2012

Registration Certificate *

(Under Section 5 of Delhi Nursing Homes Registration Act, 1953)
For the Period 2012-15

It is certified that Tara Netralaya WZ-270, Gaon-Navada, Uttam Nagar, Delhi-110059 with -10- beds is being run by Sh. Deepesh Mittal, has been registered under Delhi Nursing Homes Registration Act, 1953 and is authorized to carry out the permitted nursing home activities at the above said premises.

This registration certificate is valid upto 31st March 2015

Director Health Services
Govt. of NCT of Delhi

* This provisional registration certificate is being issued as per the directions dated 02/06/2009 of Hon'ble Supreme Court of India in SLP No. 13898/2009 (in reference with interim order dated 24/04/2009 of Hon'ble High Court, Delhi in WP(C) No. 4233/1993)

"Tara" Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Shri Prem Kumar Mata
Banswara (Raj.)
Cell : 09414101236

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Prabha Ji Jhanwar
Amrawati
Cell : 09823066500

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Prem Swaroop Bansal
Punjab
Cell : 09352717492

Shri Kulbhushan Parashar
Birmingham (England)
Cell : (0044) 121 5320846, (0044) 7815430077

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Sethmal Modi
Dumka (Jharkhand)
Cell : 09308582741

Shri Karan Gupta
Jaipur (Raj.)
Cell : 09784597115

"Tara" Contact Details - Office

Mumbai Ashram
Mahendra & Mahendra Implies Co. H. Society
Park View Builing, B - 26 IInd Floor,
Kulupawadi, Boriwali (E) Mumbai 400066
Shri Banshilal Cell : 09699257035
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094

Gurgaon Ashram
B-30, Old DLF Colony,
Sector - 14,
Gurgaon (Haryana)
Shri Kamlesh Joshi
Cell : 08285240611

Delhi Ashram
S-17, Parampuri, Ground Floor,
Near Shri Shwetamber Jain Sthanak,
Uttam Nagar, Delhi 110056
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Ashram
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 09829906319

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Niranjan Singh & Mrs. Saraju Devi
Jaipur

Mr. Mohan Lal & Mrs. Raj Sethi
Jaipur

Mr. R.K. Singh & Mrs. Santosh Kumari
Saharanpur

Mr. Madan Lal Mangal & Wife
Patiala

Mr. Ganga Ram & Mrs. Ram Pyari Sharma
Bilaspur

Mr. R.K. & Mrs. Saroj Gupta
Jaipur

Mr. Prem Singh & Mrs. Nirmala Thakur
Bilaspur

Mr. Narpat Singh & Mrs. Chandrama Devi Gaur
Bhopal

Mr. O.P. & Mrs. Kunti Arora
Jaipur

Mr. Chainsukh Rathi & Wife
Igatpuri, Nasik

Mr. Jaydev & Mrs. Mangala Chandak
Igatpuri, Nasik

Mr. Bihari Lal & Mrs. Jamna Devi
Bhopal

Mr. Rajendra Singh & Mrs. Nirmala
Muzaffar Nagar

Lion Manik Chand Agrawal & Mrs. Janoti Devi
Orissa

Mr. Suresh Chandra & Mrs. Asha Gupta
Bhilwara

Mr. Bhanwar Lal & Mrs. Madhu Soni
Jodhpur

Mr. Tarun
Saharanpur

Mrs. Trishrla Jain
UP

Mrs. Subhadra Ranjan
Muzaffar Nagar

Mrs. Mani Mala Rawat
Muzaffar Nagar

Mr. Sanjeev Kumar
Bilaspur

Lt. Mr. Vaid Prakash
Bhatinda

Mr. Dharmendra Sharma
Sagar (MP)

Mr. Anand Gupta
Ghaziabad

Mrs. Pushpa
W/o Mr. Manohar Mantri, Nasik

Mrs. Sarala Panediya
Nasik

Mr. Sukhdev Balkin
Igatpuri, Nasik

Mrs. Sheela Tavariya
Malegaon, Nasik

Mr. Girish S/o
Mr. Madan Lal Nagpal, Nasik

Bijal Ji
Nasik

Lt. Mr. Kishor Lal & Mrs. Vidhya Jain
Raipur

Mr. Rajendra Nath Mehratra & Wife

Mr. Vijendra Kumar Jain & Wife
Muzaffar Nagar

Mr. Vikas & Mrs. Rekha Yadav
Jind

Mr. Ramkaran & Mrs. Kanta Gupta
Rohtak

Mr. Basantram & Mrs. Krishnidevi Kapil
Bilaspur

Mr. Niraj Jain & Wife
Muzaffar Nagar

Lt. Mr. Ravi Goyal
Jaipur

Mrs. Renu Kishor Tarwani
Nasik

Mr. Dalchand Meratwal
Shambhugarh

Dr. Brij Mohan

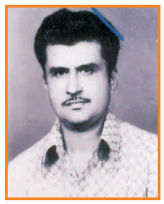

Mr. Mohan Ji
Goa

Mr. S.R. Singh
Lucknow

Mrs. Rekha Malhotra
Rohtak

Mr. Ravindra Kumar Sharma
Kagada (HP)

Mr. Rajesh Singh
Jaipur

Mr. Prakash Ji

Mr. N.C. Bomb
Indore

Lt. Mr. Inara Kumar Matta
Sopur

Mr. Chhotelal Prasad
Bhopal (MP)

Mr. Asharam Tavari
Dongargaon, Rajnandgaon

Mr. Anuj Jain
Saharanpur

Mr. Anil Kumar Jayaswal
Jaipur

Mr. Afjal Fhajal
Kanpur

Mr. Vinit Ji
Banglore

Mrs. Veena Shashi
Sonipat

Mr. Thakur Chhatar Singh
Indore

Mr. Shripal Jain
Jaipur

Lt. Miss Priti Jadu
Raipur

We regret the error in the spelling of Shri and Smt. Rajmukar BERI published on page 17 of Taranshu September 2012. This may please be read as BERI

TARA SANSTHAN's EYE - HOSPITAL AT DELHI

Tara Netralaya WZ-270, Navada Metro Pillar 720, Uttam Nagar, Delhi - 110059

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965
SBI A/c No. 31840870750
HDFC A/c No. 12731450000426
Axis Bank A/c No. 912010025408491

TARA NETRALAYA, DELHI GLIMPSES OF INAUGURAL CEREMONY

(From Right) Shri Ramesh Sachadeva, Smt. Shama Sachadeva and Smt. Kalpana Goyal having a view of the WARD at Tara Netralaya, Delhi

Lighting the inaugural Lamp (From Right) Smt. Pushpa Bhargava, Shri Ramesh Sachadeva, Smt. Shama Sachadeva, Shri Jagdish Agrawal and Smt. Kalpana Goyal.

Shri Deepesh Mittal in conversation with Shri R.C. Gupta, Delhi.

Shri R.C. Gupta, Shri Raju Ji (Faridabad) and other guests.

Shri Satya Bhushan Jain being felicitated by Smt. Kalpana Goyal.

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, नवम्बर, 2012
RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965 IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750 IFS Code : sbin0011406
Axis Bank A/c No. 912010025408491 IFS Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426 IFS Code : hdfc0001273

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

बुक पोस्ट

Tara ज्योतिर्मय जीवन
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org